

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	अध्ययन-यात्रा में रुचि होना अपेक्षित है।	घंटे
उद्देश्य	- विद्यार्थियों को अध्ययन-यात्रा के स्वरूप से परिचित कराना। - क्षेत्र-विशेष के भौगोलिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक महत्त्व से परिचित कराना। - छात्रों में दल-निष्ठा, नेतृत्व क्षमता, साहस, आत्मविश्वास, अवलोकन और शोध-प्रवृत्ति को परखना एवं विकसित कराना। - पुरातात्विक संदर्भ और साक्ष्य को एकत्र करना।	
पाठ्य विषय	- अध्ययन-यात्रा: स्वरूप एवं विशेषताएँ - पूर्व योजना: टिकट आरक्षण, सामान बाँधना, स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन, जाँच-सूची, ऑनसाइट रेखाचित्रण, फ़ोटोग्राफी, वीडियो आदि का संक्षिप्त परिचय।	04
	- निर्धारित रचनाएँ: - राहुल सांकृत्यायन: घुमक्कड़ शास्त्र - कृष्णा सोबती: बुद्ध का कमंडल लड़ाख - हिंदी क्षेत्र: दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश (इसमें से किसी एक क्षेत्र में अध्ययन-यात्रा कर वहाँ की भौगोलिक संरचना, ऐतिहासिक महत्त्व, परिवेश, लोक-	02 20

	जीवन, बोली-भाषा, खाद्य-संस्कृति, साहित्य, नृत्य, वास्तुकला, समस्याओं आदि का अध्ययन करना अपेक्षित है) ● अध्ययन-यात्रा से संबंधित रिपोर्ट लेखन	04
अध्यापन विधि	व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, स्वाध्याय, संगोष्ठी, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुतीकरण।	
निर्धारित पाठ्य सामग्री	1. सांकृत्यायन, राहुल. घुमक्कड़शास्त्र. किताब महल, नई दिल्ली, 2020. 2. सोबती, कृष्णा. बुद्ध का कमंडल लदाख. राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2012.	
संदर्भ ग्रंथ सूची	1. चंद्र, मोती. काशी का इतिहास. विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1985. 2. जोशी, मनोहर श्याम. लखनऊ मेरा लखनऊ. वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2002. 3. रुसवा, मिर्जाहादी. लखनऊ की नगर वधू. शरद प्रकाशन, दिल्ली, 1976.	
अधिगम परिणाम	● विद्यार्थी अध्ययन-यात्रा के स्वरूप को समझेंगे। ● क्षेत्र-विशेष के भौगोलिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक महत्त्व से परिचित होंगे। ● छात्र अपने अंदर दल-निष्ठा, साहस, आत्मविश्वास, अवलोकन, नेतृत्व क्षमता, और शोध-प्रवृत्ति आदि को परखेंगे और उसे विकसित करेंगे। ● पुरातात्विक संदर्भ और साक्ष्य को एकत्र करेंगे।	